हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार, 29 मार्च 2026

10 पोर्टल न चलने से नहीं हो पाई सरसों की सरकारी खरीद

10 लव शूटिंग चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ के शूटरों ने ...

K.R. MANGALAM

Where Curiosity Grows into Confidence

Affiliated to CBSE

World School
Bahadurgarh

ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ADMISSIONS
OPEN

Nursery to Grade IX & XI
(Play Group Also Available)
2026-27

Exclusive
SCHOLARSHIPS
For Class XI Aspirants

Scholarship Test Dates: 29 March 2026
Time: 10 AM - 01 PM

- Merit - Based Rewards To Support Your Academic Journey.
- Free Counselling Sessions Available for IIT-JEE & NEET
- Special Workshops & Sessions for CUET
- Free Counselling Sessions With Faculties For Your Better Subject Selection.

LIMITED SEATS

Ranked No. 1
INNOVATORS CATEGORY
BY TIMES SCHOOL SURVEY 2025

Green Campus | Smart Classrooms | Safe & Holistic Learning

K.R. Mangalam World School, Bahadurgarh, offers a safe, serene, and future-ready learning environment. Set on a 5.5-acre green campus, the fully air-conditioned school combines modern infrastructure, smart technology, and value-based education to nurture academic excellence and holistic growth.

Our Distinctive Infrastructure

- **Spacious & Well-Lit Classrooms** – Airy, ventilated spaces with natural light and ergonomic furniture.
- **Smart Multi-Sensory Classrooms** – Interactive boards and digital tools for engaging learning.
- **Advanced Learning Spaces** – Modern labs, AV rooms, and dedicated art, music, and dance studios.
- **Knowledge Centre (Library)** – Print and digital resources with dedicated teacher workstations.
- **Eco-Friendly Campus** – Rainwater harvesting, recycling systems, and green practices.

World-Class Sports & Activity Facilities

- **Outdoor Sports Facilities** – Football, cricket, basketball, volleyball, tennis, skating, and grounds.
- **Indoor Sports & Wellness** – Badminton, table tennis, chess, yoga, and coached indoor games.
- **Creative & Co-Curricular Spaces** – Music, dance, art studios, clubs, NCC, NSS, and TED-Ed.

Safety, Health & Well-Being First

- **Secure Air-Conditioned Campus** – Centrally air-conditioned with continuous monitoring.
- **On-Campus Medical Care** – Medical centre with trained nurse support.
- **Health & Hygiene Programs** – Regular check-ups and cleanliness awareness initiatives.
- **Safety Training & Drills** – Disaster preparedness drills and safety workshops.
- **Safe Transport System** – Air-conditioned buses with safety protocols.

The KRM Legacy of Excellence

40,000+ Students Studying | 50,000+ Alumni Members | 4,000 Faculty On Board

K.R. Mangalam stands as a trusted name in education. Our seamless admission process, modern infrastructure, and value-driven philosophy empower every learner to excel and lead with purpose.

admission@krmangalambahadurgarh.com
www.krmangalambahadurgarh.com

9549899503
The School is Open for Admissions on All Days

Sector 2, Near Gauri Shankar Mandir,
Bahadurgarh, Haryana 124507

G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow | Indirapuram

खबर संक्षेप

मोबाइल फोन छीनने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना शहर सोनीपत पुलिस ने रास्ता रोककर मोबाइल फोन छीनने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान विनय और विनीत निवासी गांव बैयापुर खुर्द के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता ने बताया था कि बाइक सवार तीन युवकों ने उसका रास्ता रोककर मारपीट की और मोबाइल छीनकर फरार हो गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

जानलेवा हमला करने वाला युवक पकड़ा

सोनीपत। थाना मुरथल पुलिस ने फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अंकित उर्फ खेमा निवासी गांव रायपुर है। शिकायत के अनुसार पैसों के विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद आरोपित अपने साथियों के साथ हथियार लेकर पहुंचे और मारपीट के साथ फायरिंग की। घटना में कई लोग घायल हुए थे। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस रिमांड के दौरान अन्य आरोपितों की तलाश और वारदात में इस्तेमाल हथियारों की बरामदगी की जाएगी।

चोरी के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना राई पुलिस ने दुकान से सामान चोरी के मामले में दूसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित विशाल निवासी गांव जठेड़ी है। इससे पहले इस मामले में एक अन्य आरोपित को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। शिकायतकर्ता गुलशन ने बताया था कि उसकी परचून की दुकान से चावल के कट्टे, पेय पदार्थ और गैस सिलेंडर चोरी कर लिए गए थे। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की थी।

बिजली तार चोरी के दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। थाना शहर सोनीपत पुलिस ने निर्माणाधीन मकान से बिजली की तार चोरी करने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मुस्तका और सुफियान के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता ने बताया था कि रात के समय मकान से फिट की गई बिजली की तारें उखाड़कर चोरी कर ली गई थीं। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की और दोनों आरोपितों को काबू कर लिया।

कोहिनूर चावल मिल में चोरी की कोशिश नाकाम

सोनीपत। थाना मुरथल पुलिस ने कोहिनूर चावल मिल में चोरी की कोशिश करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान शाबिर उर्फ कालू के रूप में हुई है, जो फिलहाल गांव टेहा में रह रहा था। मिल के सुरक्षा कर्मियों ने उसे कॉपर और लोहे की चोरी करते हुए मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया।

महायज्ञ में छह क्विंटल घी की आहूति डाल सर्वमंगल की कामना की

11 हजार दीपों से जगमगा उठा माता भीमेश्वरी देवी मंदिर परिसर

झज्जर। माता भीमेश्वरी देवी मंदिर परिसर में दीपों से बनाए ओउम व स्वास्तिक के चिन्ह।

झज्जर। विधायक महंत बालक नाथ व पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह।

- महायज्ञ के माध्यम से समाज में भाईचारे, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

माता भीमेश्वरी देवी मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय विश्व शांति महायज्ञ के अंतिम दिन शुक्रवार देर सांय विधायक महंत बाबा बालक नाथ ने आयोजन स्थल पहुंच कर दीप प्रज्वलित किए और पूजा अर्चना की। मंदिर परिसर में करीब 11 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। तीन दिन तक चले महायज्ञ में छह क्विंटल देसी घी की आहूति डालकर सर्वमंगल की कामना की गई। विधायक महंत बालक नाथ ने कहा कि इस प्रकार महायज्ञ के दौरान वैश्विक शांति, वातावरण को शुद्ध करने, नकारात्मकता को दूर करने और मानवता के कल्याण की कामना के लिए लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि महायज्ञ के माध्यम से समाज में भाईचारे, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश जाएगा।

दूर-दराज से पहुंचे लाखों श्रद्धालु

वहीं आयोजन के दौरान धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सहयोग की अद्भुत मिसाल देखने को मिली। महायज्ञ में दूर-दराज से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर यज्ञ में आहुति डाली और विश्व कल्याण की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा। महायज्ञ के अंतर्गत 51 वैदिक पंडितों द्वारा निरंतर मंत्रोच्चारण और विधिवत अनुष्ठान किए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए आमजन के साथ मिलकर इस महायज्ञ को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

सम्मेलन में दूसरे दिन आधुनिक नवाचारों को रेखांकित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

दुल्हेड़ा में स्थित एनआईसीएमएआर परिसर में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईक्यूब 2026 का सफलतापूर्वक समापन हो गया। सम्मेलन के दौरान तकनीकी सत्रों, विचार-विमर्श और शैक्षणिक आदान-प्रदान के माध्यम से प्रतिभागियों को नई जानकारी और अनुभव प्राप्त हुए।

सम्मेलन के दूसरे दिन व्याख्यान और छात्रों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। मुख्य वक्ता एनआईटी सुरथकल के डॉ. बीबी दास ने सतत निर्माण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कम-कार्बन तकनीकों और 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग जैसे आधुनिक नवाचारों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने वर्तमान बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के समाधान भी प्रस्तुत किए। वहीं, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के डॉ. कपिलेश नागर ने सिविल संरचनाओं के रखरखाव और उन्हें आधुनिक इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप विकसित करने पर अपने विचार साझा किए। सत्र के बाद प्रतिभागियों के साथ प्रश्नोत्तर कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। एनआईसीएमएआर दिल्ली-एनसीआर के निदेशक डॉ. राजेश गोयल ने छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों और उत्कृष्ट प्लेसमेंट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन में छात्रों के समर्पण और मेहनत की भी प्रशंसा की। अंत में डॉ. टीआर प्रवीण ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

बहादुरगढ़। सम्मेलन में मौजूद विशेषज्ञ अधिकारी।

दरवाजा तोड़कर मकान में घुसे व दंपति को हथियार के बल पर पीटा

बहादुरगढ़। गांव मांडोठी में मकान के घुसकर हथियार के बल पर दंपति के साथ मारपीट करने, गाड़ी से टक्कर मारने का प्रयास करने, सामान को तोड़ने व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। गांव के ही कुछ युवकों व अन्य अज्ञातों के खिलाफ आरोप है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सोमबीर ने कहा है कि वह शाम करीब चार बजे अपने घर पर आया था। स्कूटी खड़ी करके अंदर जाने लगा तो इसी दौरान गांव के पांच युवक अपने साथियों के साथ गाड़ियों में सवार होकर आए। जान से मारने की नीयत से मुझ पर कैंटर चढ़ाने का प्रयास किया गया लेकिन जैसे तैसे मैंने बचाव किया। कैंटर की टक्कर से गेट और दीवार गिर गई। फिर मैंने अपनी पत्नी के साथ कमरे में छिपकर बचाव का प्रयास किया। आरोपी मकान के अंदर आ गए और स्कूटी, एलईडी सहित अन्य सामान तोड़ दिया। इतना ही नहीं, जिस कमरे में हम छिपे थे, उसका दरवाजा भी तोड़कर अंदर घुस गए। हथियर के बट, डंडों आदि से मुझ पर हमला किया। पत्नी के बाल पकड़कर घसीट दिया। शोर सुनकर जब ग्रामीण बीच बचाव करने आए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। उधर, मांडोठी चौकी पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया है। जांच की जा रही है।

- कैंटर से टक्कर मारने का किया प्रयास व गेट और दीवार को पहुंचा नुकसान

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

चिकित्सीय बोर्ड से कराया शव का पोस्टमार्टम

झज्जर। क्षेत्र के गांव गोरिया में गली में पड़े मिले अधेड़ व्यक्ति के शव के मामले में शनिवार को पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम चिकित्सकीय बोर्ड से कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि पुलिस को दी शिकायत में गोरिया निवासी अंकित कुमार ने बताया था कि शुक्रवार को उसके पास गांव के सोनू नामक युवक का फोन आया कि उसका चाचा मृत अवस्था घर के नजदीक गली में पड़ा है। सूचना के बाद जब वह मौके पर पहुंचा तो उसके चाचा का शव गली में पड़ा था। अंकित कुमार द्वारा पुलिस को शव का पोस्टमार्टम कराकर हत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाने की मांग की थी।

हेल्प डेस्क का 1245 श्रद्धालुओं ने उठाया लाभ

- प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन व पूजा-अर्चना
- राष्ट्रीय लोक अदालत व स्थायी लोक अदालत के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

धर्मनगरी बेरी में माता भीमेश्वरी देवी नवरात्र मेले के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं ने देवी माता के दर्शन किए और पूजा अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर में उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा स्थापित स्टॉल पर कानूनी जानकारी ली। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि इस हेल्प डेस्क के माध्यम से मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को विभिन्न कानूनी अधिकारों और योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इस स्टॉल पर श्रद्धालुओं को विशेष रूप से राष्ट्रीय लोक अदालत, स्थायी लोक अदालत सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र, निःशुल्क कानूनी सहायता और अन्य विधिक सेवाओं के बारे में सरल भाषा में समझाया गया। इसका उद्देश्य यह है कि आमजन अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और किसी भी कानूनी समस्या का समाधान सरल और सुलभ तरीके से प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि मेले के दौरान करीब 1245 श्रद्धालुओं ने कानूनी जानकारी ली।

झज्जर। मेला परिसर में लगाए गए हेल्प डेस्क पर मौजूद श्रद्धालु।

सब जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बहादुरगढ़। मुकाबले की शुरुआत कराते मुख्य अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

हरियाणा बाक्सिंग संघ की ओर से शहर के बीएसएम स्कूल में चौथी सब-जूनियर हरियाणा राज्य स्तरीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप का शनिवार को शुभारंभ हुआ। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता की शुरुआत नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने कराई। इस अवसर पर अर्जुन अवार्डी एसीपी दिनेश बॉक्सर, पार्षद बलराम दलाल, कुलदीप राठी, राजेश तंवर व मनमोहित गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो अलग-अलग भार वर्गों में अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं एसीपी दिनेश बॉक्सर ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा प्रतिभाओं को आगे लाने का सशक्त मंच प्रदान करती हैं और खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर पहचान दिलाने में सहायक होती हैं।

कर्मियों के साथ अन्याय नहीं होगा बर्दाश्त : दीवान

- घेराव की चेतावनी और आर-पार की लड़ाई के ऐलान के बाद निगम ने मानी मांगें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

नगर निगम में पिछले 11 दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे ठेका सफाई कर्मचारियों के संघर्ष को आखिरकार सफलता मिली है। कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान द्वारा नगर निगम के घेराव की कड़ी चेतावनी और आर-पार की लड़ाई के ऐलान के बाद निगम प्रशासन झुक गया और कर्मचारियों की मांगों को स्वीकार कर लिया। शुक्रवार को धरना स्थल पर पहुंचे कांग्रेसी नेताओं के विरोध और प्रशासन को दी गई डेडलाइन का असर कुछ ही घंटों में देखने को मिला। कमल दिवान ने सफाई कर्मचारियों के बीच पहुंचकर कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने वाले इन कर्मवीरों का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि नगर निगम कर्मचारियों के सब्र का इम्तिहान न ले। यदि अब भी कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वे सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

सोनीपत। नगर निगम में सफाई कर्मचारियों के साथ कांग्रेस नेता एवं पदाधिकारी।

दिया समर्थन

शुक्रवार को कमल दीवान, ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया और एससी विभाग के अध्यक्ष मनोज बागड़ी ने धरना स्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया, जिससे आंदोलन को राजनीतिक मजबूती मिली। मांगें माने जाने के बाद कमल दिवान ने इसे सत्य और मेहनत की जीत बताया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी और मजदूर मौजूद रहे, जिन्होंने कांग्रेस के हस्तक्षेप और कमल दीवान के नेतृत्व पर भरोसा जताया। इस दौरान संजीव दहिया और मनोज बागड़ी ने भी प्रशासन को चेतावनी दी कि वे हर कदम पर कर्मचारियों के साथ खड़े रहेंगे।

विभिन्न पदों के लिए हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

महाराजा अग्रसेन केदार नाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज नूना माजरा में वॉक-इन इंटरव्यू का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर व सीनियर रेजिडेंट पदों के लिए बड़ी संख्या में योग्य अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

इंटरव्यू पैनल में वरिष्ठ चिकित्सक एवं प्रबंधन प्रतिनिधि डॉ. सुशील गुप्ता, डॉ. ओपी कालरा, डॉ. बीएल शेरवाल, डॉ. पूनम अग्रवाल, डॉ. हर्ष राज नेहरा तथा प्रेम गर्ग, संजय गुप्ता की उपस्थिति रही। पैनल द्वारा अभ्यर्थियों का गहन मूल्यांकन करते हुए योग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया रविवार को भी जारी रहेगी, जिसमें शेष पदों के लिए इंटरव्यू लिए जाएंगे। संस्थान का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अनुभवी और योग्य फैकल्टी का चयन करना है।

बहादुरगढ़। अभ्यर्थी का इंटरव्यू लेते पैनल सदस्य।

राज्य खेल मंत्री को दिया भगवान परशुराम भवन की आधारशिला कार्यक्रम का निमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

आगामी पांच अप्रैल को स्थानीय सेक्टर-9 में भगवान परशुराम भवन की आधारशिला कार्यक्रम के लिए ब्राह्मण महासभा के सदस्य शनिवार को राज्य खेल मंत्री गौरव गौतम से मिलने पहुंचे। महासभा प्रधान राज देवरखाना के नेतृत्व में महासचिव पंडित संत सुरेहती, पंडित जयपाल खुंगाई, पंडित राजेंद्र कोट, पंडित टिंकू औरंगपुर आदि ने उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। महासचिव पंडित संत सुरेहती ने बताया कि इस आधारशिला कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली करेंगे जबकि मुख्यातिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा को आमंत्रित किया गया है। इस दौरान रामकेश जीवनपुरिया द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी जाएगी।

झज्जर। राज्य खेल मंत्री गौरव गौतम को निमंत्रण देते हुए ब्राह्मण महासभा प्रतिनिधि।

पंचायत में जमीन देने पर बनी सर्वसम्मति

मातनहेल में सैनिक स्कूल खोलने को लेकर पंचायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव मातनहेल में सैनिक स्कूल बनवाने की वर्षों पुरानी मांग को लेकर शनिवार को ग्राम पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में गांव के मौजीज लोगों और पंचायत सदस्यों ने एकमत होकर सैनिक स्कूल के लिए गांव की जमीन देने का फैसला लिया। पंचायत में उपस्थित ग्रामीणों ने इस दिशा में सहयोग और प्रयासों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री राव रनबीर सिंह तथा विधायक गीता भुक्कल का आभार जताया। ग्रामीणों का कहना है कि उनके प्रयासों से गांव की प्रमुख शर्तों को स्वीकार किया गया है। पंचायत में बताया गया कि मुख्य शर्तों में डी ग्रुप की नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण, गांव के बच्चों को स्कूल में प्रवेश में प्राथमिकता और सी ग्रुप की नौकरियों में भी आरक्षण देने का आश्वासन शामिल है।

झज्जर। पंचायत के दौरान चर्चा करते हुए प्रबुद्धजन।

बच्चों को सेना में भर्ती के लिए दी जाएगी कोचिंग

ग्रामीणों को यह भी आश्वासन दिया गया है कि सैनिक स्कूल के साथ-साथ गांव में आर्मी द्वारा आर्मी प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट (एपीआई) भी खोला जाएगा। इस संस्थान में ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को सेना में भर्ती के लिए विशेष कोचिंग और प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि कैप्टन बिजेंद्र सिंह, कर्नल जय सिंह, श्री भगवान, भूप सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सोमवार को सैनिक स्कूल खोलने के लिए औपचारिक प्रस्ताव प्रशासन को सौंपा जाएगा।

खबर संक्षेप

सालासर बालाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा दो को

झज्जर। श्रीश्याम अखंड ज्योति मंदिर सेवा समिति द्वारा श्रीहनुमान जन्मोत्सव पर आगामी दो अप्रैल को सालासर बालाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं कलश शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। रेवाड़ी रोड स्थित गोगा पीर मेला परिसर में आयोजित इस इस कार्यक्रम में प्रातः नौ बजे नगर परिक्रमा एवं कलश शोभायात्रा, सवा दस बजे हवन व सवा बारह बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके बाद भंडारे का आयोजन भी होगा। समिति प्रधान आजाद दीवान ने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया जाएगा।

घर से निकला शख्स वापस नहीं लौटा

बहादुरगढ़। उत्तर प्रदेश मूल का एक यहां बहादुरगढ़ क्षेत्र से लापता हो गया। काफी तलाशने के बाद भी उसका कुछ सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। सुनैना कहना है कि वह करीब डेढ़ साल से यहां सांखोल में परिवार सहित रहती है। गत 15 मार्च को पति सतेंद्र घर से बाहर गए थे लेकिन वापस नहीं आए। इसके बाद उनकी तलाश शुरू की। अब तक तमाम संभावित ठिकानों पर ढूंढ चुके हैं लेकिन कहीं नहीं मिले। पुलिस तलाशने में मदद करे। जांच अधिकारी रामबीर सिंह का कहना है कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। व्यक्ति को तलाशने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ट्रक पटलने से चालक की मौत

बहादुरगढ़। बादली रोड पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना को संयोग मानकर कार्रवाई की गई है। मृतक की पहचान करीब 21 वर्षीय सहज के रूप में हुई है। सहज मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से था और यहां ट्रक चलाता था। जानकारी के अनुसार, रात को वह ट्रक लेकर पकोड़ा चौक की तरफ जा रहा था। रास्ते में एकाएक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। नीचे दबने के कारण सहज की मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

गांव दहकोरा में प्लाट से बाइक चोरी

बहादुरगढ़। गांव दहकोरा में प्लाट में खड़ी बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दीहै। दहकोरा के निवासी मनजीत का कहना है कि आठ मार्च को अपनी बाइक प्लाट पर खड़ी की थी। इसके बाद ड्यूटी चला गया। वापस आया तो नहीं मिली। अब तक तलाश करता रहा लेकिन कुछ पता नहीं चला। उधर, आसौदा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चरस सहित एक युवक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। स्थानीय पुलिस ने नए बस अड्डे के पास से एक कार सवार युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 455 ग्राम चरस, दो लाख 35 हजार रुपये की नकदी बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ सिटी थाने में केस दर्ज किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। आरोपी की पहचान जरनैल निवासी झाड़ोदा के रूप में हुई है।

आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर दबिश, तीन कॉमर्शियल व 24 डोमेस्टिक सिलेंडर बरामद

छापेमारी में 24 सिलेंडर किए जब्त

अधिकारियों ने कहा कि जमाखोरी, कालाबाजारी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी की आशंकाओं को देखते हुए प्रशासन की ओर से लगातार छापेमारी की जा रही है। शनिवार को एसडीएम अभिनव सिवाच के निर्देश पर एएफएसओ सपना की अगुवाई में बहादुरगढ़ में कई जगह ताबड़तोड़ छापेमारी की गई। शहर में मौजूद निजी अस्पतालों, रेस्टोरेंट, हलवाइयों की दुकानों सहित अन्य प्रतिष्ठानों में जांच की गई। जांच के दौरान आधा दर्जन से अधिक स्थानों से 21 घरेलू सिलेंडर बरामद हुए। इनमें सात भरे तो 14 खाली थे। जबकि तीन कॉमर्शियल सिलेंडर भी पाए गए, जिनका दुकान संचालकों के पास कोई रिकार्ड नहीं मिला। कार्रवाई करने वाली टीम में उप निरीक्षक धर्मपाल, श्रीकांत आदि शामिल थे। तमाम सिलेंडर जब्त कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने कहा कि जमाखोरी, कालाबाजारी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। न ही घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग करना है। लोग नियमों के अनुसार काम करें। आगे भी लगातार इस तरह की छापेमार कार्रवाई जारी रहेगी।

बहादुरगढ़। जब्त किए गए सिलेंडरों के साथ प्रशासनिक टीम।

जिले में एलपीजी, पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति सामान्य, अफवाहों से बचें : डीसी

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि जिले में एलपीजी, डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 26 गैस एजेंसियां सुचारू रूप से कार्यरत हैं, जो निर्धारित नियमों के अनुसार उपभोक्ताओं को घरेलू गैस की आपूर्ति कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है, इसलिए नागरिक किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अफवाह फैलाने वाले, जमाखोरी करने वाले तथा कालाबाजारी में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों से भी विशेष अपील करते हुए कहा कि वे किसी प्रकार की अफवाह या भ्रम के कारण पलायन न करें। उनकी हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। यदि किसी श्रमिक को एलपीजी की उपलब्धता या कार्य स्थल से जुड़ी किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ता है, तो वे तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

शहर में किया गया हरिनाम संकीर्तन

बहादुरगढ़। हरिनाम संकीर्तन करते इस्कॉन बहादुरगढ़ से जुड़े भक्त।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इस्कॉन की ओर से हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य विश्व शांति और वैश्विक सद्भावना को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में काफी भक्तों ने भाग लिया। वक्ताओं ने बताया कि हरिनाम संकीर्तन एक शक्तिशाली आध्यात्मिक अभ्यास है, जो भगवान के नाम के जाप के माध्यम से आत्म-शुद्धि और आत्म-जागरूकता को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम में भक्तों ने नृत्य, गायन और जाप के माध्यम से भगवान के नाम की स्तुति की, जिससे एक दिव्य और शांतिपूर्ण वातावरण बना। इस्कॉन बहादुरगढ़ के भक्तों ने इस कार्यक्रम के माध्यम से विश्व शांति और सद्भावना के महत्व को फैलाने का संकल्प लिया है।

होनहार विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

झज्जर। होनहार विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए हरे कृष्ण मिशन सदस्य एवं शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। राय साहब पंडित बसंत लाल एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित हिमालय हाई स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्या लीला देवी ने हरे कृष्ण मिशन के सदस्यों के साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार विद्यार्थियों व पिछले माह में हरे कृष्णा मिशन द्वारा आयोजित श्रीमद्भगवत गीता प्रतियोगिता में भागीदारी व उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने विद्यार्थियों को श्रीमद्भगवत गीता की प्रति तथा अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के संचालक पंडित दीपक कुमार शर्मा ने व समिति अध्यक्षा सुभद्रा देवी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर हरे कृष्ण मिशन की तरफ से अभिमन्यु अनिरुद्ध दास, पवन दास, देवी दासी, ज्योति, सत्यनारायण प्रभु व सुषमा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया स्कूल का वार्षिकोत्सव

- छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

राणा प्रताप सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिकोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा विभाग से सेवानिवृत संयुक्त निदेशक सुनीता रुहिल और विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद प्रवीण कुमार ने शिरकत की।

मुख्य अतिथि सुनीता रुहिल, पार्षद प्रवीण कुमार, एडवोकेट दीपक कुमार, प्रिंसिपल मीनू देवी और वाइस प्रिंसिपल सतीश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांध दिया। बच्चों द्वारा शिव ताण्डव व महिषासुर मर्दनी नाटक को रूपान्तरित किया गया। इसमें नारी शक्ति के बारे में कला द्वारा दिखाया गया। इसकी तैयारी करवाने में राशि और एकता का विशेष सहयोग रहा। मुख्य अतिथि ने बच्चों के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए विद्यालय के शिक्षकों से संस्कार युक्त व गुणवत्ता परक शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया। कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को स्कूल की तरफ से स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल प्रबंधक आनंद पंवार, शिक्षाविद् सुनीता पंवार, अनुराधा, रोशनलाल, नीलम हुड्डा, निशा शर्मा, सीमा राठी, एकता, खुशबू, पिंकी सहित अन्य शिक्षक इस मौके पर उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत

बहादुरगढ़। निदेशिका के साथ सम्मानित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बराही रोड पर स्थित त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक, खेलकूद व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशिका संगीता वर्मा, प्रिंसिपल सुमित्रा महला, वाइस प्रिंसिपल अनिल कुमार व अन्य इंचार्ज, प्रबंधकों तथा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद विद्यालय के प्रिंसिपल ने उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार व प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही, विद्यालय द्वारा चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

विद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि ये छात्र न केवल विद्यालय बल्कि समाज और देश का भी गौरव हैं। उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।

नेशनल पैरा फेंसिंग चैंपियनशिप में संदीप मोर ने जीते दो पदक

झज्जर। क्षेत्र के गांव रेढूवास निवासी खिलाड़ी संदीप मोर ने द्वितीय राष्ट्रीय पैरा फेंसिंग चैंपियनशिप में दो रजत पदक जीतकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। संदीप मोर ने फॉइल टीम और एपे टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल किए। वर्तमान में रोहतक के शास्त्री नगर में रहने वाले संदीप मोर ने जहां बॉक्सिंग प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर प्रतिभा दिखाने का मौका मिला वहीं पैर में चोट के कारण वे खेल नहीं पाए। इसके बाद उन्होंने फेंसिंग में कदम रखा। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन ईएसआई डिस्पेंसरी में कार्यरत संदीप ने नौकरी और शाम को कठिन अभ्यास के बीच संतुलन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की, जो युवाओं के लिए प्रेरणा है। इससे पहले उन्होंने ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित प्रतियोगिता में एपे टीम में स्वर्ण पदक और व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

झज्जर। पदकों को दिखाते हुए खिलाड़ी संदीप मोर।

नेहरू कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक भ्रमण

- विद्यार्थियों को उद्योग जगत के प्रबंधकीय एवं उत्पादन संबंधी व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। औद्योगिक भ्रमण के दौरान उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के बीबीए एवं बीसीए कक्षाओं के विद्यार्थियों ने गुरुग्राम स्थित फैब्ट्रो टेक्नोलॉजीज में औद्योगिक भ्रमण किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग जगत के प्रबंधकीय एवं उत्पादन संबंधी व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना रहा। भ्रमण का नेतृत्व प्रबंधन विभागाध्यक्ष पंकज कुमार, प्रबंधन प्रवक्ता सविता तथा कंप्यूटर विज्ञान प्रवक्ता सुशील यादव ने किया। कंपनी के निदेशक अशोक तथा वरिष्ठ प्रबंधक जय सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उद्योग में उपलब्ध अवसरों एवं आवश्यक दक्षताओं पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य दलबीर सिंह ने ऐसे शैक्षणिक भ्रमणों को विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए जरूरी बताते हुए भविष्य में भी इनके आयोजन पर बल दिया। विद्यार्थियों ने कंपनी की कार्यप्रणाली, प्रबंधन रणनीतियों एवं उत्पादन प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी ली, जिससे उनके ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि हुई।

पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में कॉमर्स विभाग द्वारा शनिवार को पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्पाद विज्ञापन विषय पर पोस्टर बनाते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा तथा विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉक्टर अंजू जैन व पूजा ने निभाई। प्राचार्या डॉक्टर नीलम ने इस पहल की सराहना करते हुए छात्राओं को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में बीकॉम तृतीय वर्ष की तमन्ना व बीकॉम प्रथम वर्ष की गुंजन प्रथम, बीकॉम प्रथम वर्ष की शानवी द्वितीय व बीकॉम तृतीय वर्ष की एकता तृतीय रही। इसके अलावा बीकॉम द्वितीय वर्ष की अंतरा व बीकॉम प्रथम वर्ष की भावना को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस मौके पर मुनेश और कुमारी गरीमा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। शिक्षिकाओं के साथ उपस्थित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं।

डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

बेहतर परीक्षा परिणाम लाने वाले विद्यार्थी सम्मानित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। प्रिंसिपल व शिक्षकों के साथ विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर-6 स्थित डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में नर्सरी से दूसरी, आठवीं व 11वीं कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल राजदीप कुलश्रेष्ठ ने आर्य समाज के सदस्यों के साथ दीप प्रज्वलन व गायत्री मंत्र के साथ किया। मंच संचालन स्नेहा, प्रतीक्षा और शिवांगी ने किया। कक्षा 11वीं विज्ञान में हर्ष वशिष्ठ प्रथम, हिमांशी द्वितीय और हर्षपाल तृतीय रहे। वाणिज्य संकाय में प्राची प्रथम, अंशुल द्वितीय व भावेश तृतीय स्थान पर रहे। कला संकाय में श्रुति प्रथम, दिया द्वितीय और शुभम तृतीय स्थान पर रहे। आठवीं कक्षा में समीक्षा ने प्रथम, अयान ने द्वितीय तथा उदय और साकेत ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। साथ ही गणित ओलंपियाड और हिंदी व्याकरण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मेडल व ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ।

पौधरोपण कर वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता की शुरूआत

झज्जर। खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ पर पौधरोपण करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज इन टीचर एजुकेशन में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. संतोष ने पौधरोपण व मां सरस्वती वंदना के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। खेलकूद प्रतियोगिता में बेस्ट एथलीट का अवार्ड मोनिका यादव व निशा बिश्नोई को मिला। इस मौके पर नवबहार यादव, सतपाल जाखड़, डॉ. शीतल, डॉक्टर रीना तक्षक, डीपीई मंजीत अहलावत, पीटीआई संजीत कुमार, जोगेंद्र कुमार व प्रवीण कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

केएमपी पर हादसे में कैंटर चालक की मौत

बहादुरगढ़। केएमपी एक्सप्रेस वे पर दो वाहनों की टक्कर में एक कैंटर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय बोबी के रूप में हुई है। बोबी उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ का रहने वाला था और कैंटर गाड़ी चलाता था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को वह गाड़ी लेकर केएमपी से गुजर रहा था। जब आसौदा थाना क्षेत्र में रोहतक रोड फ्लाईओवर के निकट पहुंचा तो आगे चल रहे एक वाहन से उसका कैंटर टकरा गया। हादसे में उसे गंभीर चोट आई। राहगीरों ने संभाला और नागरिक अस्पताल लेकर गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सड़क हादसे में साइकिल सवार की जान गई

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली रोड पर पुराना बस स्टैंड के पास सड़क हादसे में साइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई। उसे किस वाहन ने टक्कर मारी, यह अभी पता नहीं चल सका है। फिलहाल अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मृतक की पहचान करीब 67 वर्षीय गोपाल घोष के रूप में हुई है। वह फिलहाल परिवार सहित यहां छोटूराम पार्क में रह रहे थे। जानकारी के अनुसार, गोपाल घोष शुक्रवार की रात को साइकिल पर सवार होकर अपने घर की ओर जा रहे थे। जब यहां पुराना बस अड्डे के पास पहुंचे तो किसी वाहन की चपेट में आ गए। उन्हें सिर सहित अन्य हिस्सों में चोट आई। पीजीआई में इलाज के दौरान मौत की पुष्टि कर दी गई।

दुकान से मोबाइल एसेसरीज व नकदी चोरी

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली रोड पर एक मोबाइल की दुकान में चोरी हो गई। अज्ञात चोर दुकान से 11 मोबाइल, हजारों रुपये की एसेसरीज व नकदी पर हाथ साफ कर गए। सिटी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात रोहतक-दिल्ली रोड पर मेट्रो पिलर 839 के सामने स्थित मोबाइल फैक्ट्री इलेक्ट्रोनिक्स नाम की दुकान में हुई है। शिकायतकर्ता लाइनपार के निवासी नवीन का कहना है कि 26 मार्च की रात साढ़े दस बजे वह दुकान बंद कर घर चला गया। शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे सूचना मिली कि दुकान का शटर खुला हुआ है। इसके बाद हम मौके पर गए तो शटर खुला और अंदर शीशे का गेट टूटा हुआ था।

लघुशंका कर रहे युवक को कार ने मारी टक्कर

बहादुरगढ़। बामड़ोली मोड़ के निकट सड़क किनारे लघुशंका कर रहे एक युवक को कार ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक को काफी चोट आई। घटना गत चार मार्च की है लेकिन अब तबीयत में सुधार होने पर पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दी है। पीड़ित लडरावण गांव का रहने वाला है। उसका कहना है कि वह चार मार्च को बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहा था। बामड़ोली मोड़ के निकट बाइक रोककर साइड में जाकर लघुशंका करने लगा। इसी दौरान एक कार ने उसको टक्कर मार दी। परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। तब ईलाज के कारण बयान नहीं दर्ज हो पाए। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। आरोपी की गाड़ी का नंबर मिल चुका है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रेवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

11 किसानों के कटे मेनुअल टोकन

पोर्टल न चलने से नहीं हो पाई सरसों की सरकारी खरीद

मेनुअल गेट पास बनाए गए किसानों को बायोमेट्रिक के लिए फिर से बुलाया गया मंडी परिसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। पहले दिन अनाजमंडी में पहुंची सरसों की फसल। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को पोर्टल न चलने के कारण सरसों की सरकारी खरीद नहीं हो पाई। गेट पास काउंटर पर व्यवस्था सुचारू न होने के कारण जहां मेनुअल गेट पास बनाए गए वहीं पोर्टल सुचारू होने के बाद ऑनलाइन गेट पास काटे गए। जिसके कारण किसानों और आढ़तियों में रोष दिखाई दिया और उन्होंने विभागीय कार्यशैली के प्रति अपनी नाराजगी जताई।

वहीं आढ़तियों ने मंडी परिसर में अभी तक बारदाना नहीं पहुंचने की बात भी कही। अनाजमंडी सुपरवाइजर रणदीप ने बताया कि दिनभर में केवल 15 गेट पास बनाए गए हैं जिनमें से सरसों के ग्यारह गेट पास मेनुअल हैं और दो ऑनलाइन हैं। इसके अलावा दो गेट पास जौ की फसल की काटे गए हैं।

अबकि बार गेट पास बनाने के नियम सख्त

बता दें कि फर्जी खरीद पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रदेश में 2026-27 रबी विपणन सीजन के लिए फसल गेहूं व सरसों की फसल बेचने के लिए गेट पास के नियम सख्त कर दिए गए हैं। अब मेरी फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण, बायोमेट्रिक सत्यापन, ट्रैक्टर-ट्रॉली के आगे नंबर प्लेट की फोटो और फसल लाने के लिए अधिकृत किसान या उनके द्वारा नामित सदस्य का होना अनिवार्य है। इन नियमों में फसल बेचने के लिए मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जरूरी है। इसके बाद गेट पास के लिए किसान या उनके द्वारा मनोनीत व्यक्ति को बायोमेट्रिक मशीन पर अंगूठा लगाकर सत्यापन कराना होगा। किसान अपनी फसल के साथ न आ पाने की स्थिति में वे अपने परिवार के सदस्य, परिचित या आढ़ती को मनोनीत कर सकते हैं। इसके अलावा गेट पर ट्रैक्टर-ट्रॉली के आगे नंबर प्लेट का होना अनिवार्य है। नंबर प्लेट की फोटो सत्यापन के बाद ही गेट पास जारी किया जाएगा।

प्राइवेट खरीद की ओर किसानों का रुझान

सरकार द्वारा सरसों खरीद के लिए के लिए 6200 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी निर्धारित किया गया है जबकि आढ़तियों द्वारा प्राइवेट स्तर पर इसे अधिक कीमत पर खरीदा जा रहा है। किसानों का कहना है कि नजफगढ़, गुरुग्राम व फार्रुखनगर की मंडियों में सरसों की प्राइवेट खरीद 6500 रुपये तक की जा रही है। ऐसे में गेट पास कटवाने के नियमों की सख्ती व कम एमएसपी के कारण भी किसानों को रुझान प्राइवेट खरीद की ओर बढ़ रहा है।

कई किसानों ने अपनी फसल निजी आढ़तियों को बेची

पहले दिन 400 क्विंटल सरसों लेकर आए किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। फड़ पर मौजूद सरसों की ढेरी। फोटो : हरिभूमि

शनिवार से सरसों की सरकारी खरीद शुरू हो गई। बहादुरगढ़ में पहले दिन हैफेड एजेंसी ने 100 क्विंटल सरसों खरीदी, जबकि किसान कुल 400 क्विंटल फसल लेकर पहुंचे थे। कई किसानों ने अपनी फसल निजी आढ़तियों को बेची। सरकार ने सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6200 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है और निजी खरीद भी लगभग इसी दर पर हो रही है। हालांकि किसानों का रुख फिलहाल निजी खरीद पर है।

अधिकारियों के अनुसार, मंडी में आने वाली सरसों की खरीद के बाद उसका उठान कर गोदाम तक भिजवाया जाएगा। बामड़ोली के किसान बिजेंद्र सहित कई किसानों की फसल पहले दिन खरीदी गई। बहादुरगढ़ और बादली क्षेत्र के छारा, बराही, दरियापुर, लगरपुर, बाढ़सा और बामड़ोली जैसे गांवों में करीब 3500 हेक्टेयर में सरसों की खेती होती है। मार्केट कमेटी की सचिव अंजू दलाल ने बताया कि आने वाले दिनों में खरीद में तेजी लाई जाएगी और मंडी में पहुंचने वाले किसानों की पूरी फसल खरीदी जाएगी।

वर्कशॉप में घुस कर मारपीट करने का आरोप, बचाव में किए हवाई फायर

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

शहर के बहादुरगढ़ रोड बाईपास के नजदीक एक मशीन रिपेयरिंग वर्कशॉप में दो गुटों के बीच मारपीट व हवाई फायर होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर 7 निवासी सुमित कुमार ने बताया कि उसने मशीन रिपेयरिंग के लिए एक वकशांप बना रखी है। शुक्रवार को शहर निवासी एक युवक ने फोन कर उसके साथ गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे उसने अपने साथियों के साथ तीन गाड़ियों में सवार होकर उसकी वर्कशॉप पहुंचा। सुमित कुमार का आरोप है कि वह उस समय बाहर था इसलिए उसने, उसके कर्मचारियों के साथ मारपीट की। जब कर्मचारियों ने घटना की जानकारी दी तो उसने पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर फोन किया लेकिन वह मिला नहीं। सुमित कुमार का आरोप है कि इसके बाद करीब चार बजे फिर से उसने चार गाड़ियों में सवार 15-16 युवकों के साथ वहां पहुंचा। इस दौरान उसने जेब से पिस्तौल निकाल कर जान से मारने की धमकी भी की। इस दौरान वर्कशॉप के कर्मचारियों ने भी अपने बचाव में हवाई फायर किए जिसके बाद वे मौके से भाग निकले।

लव शूटिंग चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ के शूटरों ने सोनीपत में जीते मेडल

अभिनव शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ी छाए, अभिनंदन किया

भूमिका जैन ने दस मीटर एयर राइफल में पहला स्थान पाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। पदक विजेता खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत में हुई पहली लव शूटिंग चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ स्थित अभिनव शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ी छाए रहे। शारदार प्रदर्शन के बल पर यहां के कई खिलाड़ियों ने मेडल जीते। जीतकर लौटे खिलाड़ियों का अभिनंदन किया गया।

यहां की टीम ने चैंपियन ऑफ चैंपियंस कैटेगरी में फर्स्ट और सेकंड ट्रॉफी पर कब्जा किया। साथ ही चार गोल्ड मेडल और एक ब्रांज मेडल जीता। 1 ब्रॉन्ज मेडल जीते! अभिनव शूटिंग अकादमी के सितारों ने सोनीपत चैंपियनशिप में धमाल मचाया। भूमिका जैन ने दस मीटर एयर राइफल में पहला स्थान पाया। गुरप्रीत ने एनआर कैटेगिरी में दूसरा तथा इंडिविजुअल में पहला स्थान पाया। नैतिक वर्मा ने चौथी पाजिशन लेकिन अपनी कैटेगिरी में गोल्ड जीता। वंशिका दलाल ने आईएसएसएफ कैटेगिरी दस मीटर एयर राइफल में थर्ड पॉजिशन हासिल की। कोच प्रदीप कुमार ने जोरदार स्वागत किया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की।

संस्कारम् विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज तीन से

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर तैयारियां जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। संस्कारम विश्वविद्यालय का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

संस्कारम विश्वविद्यालय पाटौदा में आगामी तीन अप्रैल से ग्लोबल इम्पैक्ट्स ऑफ सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड वेटरनरी इनोवेशन्स विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही है।

विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉक्टर गुरदियाल सिंह ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं किसानों को एक मंच पर लाकर आधुनिक कृषि पद्धतियों, पशु चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों तथा सतत विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा करना है।

सम्मेलन में विजय सिंह दहिया आईएएस, प्रधान सचिव पशुपालन एवं डेयरी विभाग, हरियाणा सरकार, प्रोफेसर डॉक्टर सूतावत बेंचकुल, निदेशक सीफूड विज्ञान एवं नवाचार, पद्मश्री प्रोफेसर डॉक्टर एमएल मदान पूर्व कुलपति, डुवासु, आईसीएआर डॉक्टर इंद्रजीत सिंह, कुलपति, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, डॉक्टर एनएच मोहन निदेशक, आईसीएआर राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, करनाल, डॉक्टर रमेश्वर सिंह अध्यक्ष, सोसाइटी फॉर बायोलॉजिकल साइंस रिसर्च एंड मैनेजमेंट, डॉक्टर जीवीपीपीएस रवि कुमार, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पशु जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग, आईसीएआर–राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो करनाल, डॉक्टर गजेंद्र यादव, प्रधान वैज्ञानिक मृदा एवं फसल प्रबंधन प्रभाग आईसीएआर- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल, डॉक्टर अशोक कुमार अग्रवाल, पूर्व डीन, कामधेनु वेटरिनरी कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़ सहित राष्ट्रीय स्तर के एक सौ से अधिक साइंटिस्ट भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ताओं के व्याख्यान, तकनीकी सत्र, मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

इनके अलावा सम्मेलन में प्रगतिशील किसानों को भी आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि वे कृषि एवं पशुपालन से जुड़ी आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का लाभ उठा सकें।

बहादुरगढ़। टिकरी बॉर्डर के निकट तैनात पुलिस जवान।

टिकरी बॉर्डर पर पुलिस ने रातभर चलाया जांच अभियान, कई वाहनों के चालान काटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

स्थानीय पुलिस द्वारा टिकरी बॉर्डर पर विशेष नाकाबंदी अभियान चलाया गया। यह नाकाबंदी बीती रात 11 बजे से लेकर सुबह चार बजे तक की गई। कुल 45 पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी।

अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को और मजबूत बनाना था। नाकाबंदी के दौरान आने-जाने वाले प्रत्येक वाहन की गहनता से जांच की गई। इस दौरान 467 वाहनों को चेक किया गया।

जांच के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की गई। कुल 50 चालान किए गए, जिनमें पांच वाहन ब्लैक फिल्म लगे, दो मामलों में ड्रिंक एंड ड्राइव तथा आठ वाहन बिना नंबर प्लेट के पाए गए। इस विशेष नाकाबंदी का मुख्य उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना था। पुलिस द्वारा अवैध हथियारों, नशीले पदार्थों की तस्करी तथा चोरी के वाहनों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

सोशल मीडिया स्टंटबाजों पर ट्रैफिक पुलिस की नजर, बुलाया थाने, चालान काटकर दी चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। स्टंटबाज युवाओं को जागरूक करते हुए यातायात प्रभारी वीरेंद्र कुमार।

सोशल मीडिया पर मोटरसाइकिल और कार से स्टंट कर वीडियो डालकर शांति एवं कानून व्यवस्था भंग करने वाले युवाओं पर अब जिला ट्रैफिक पुलिस की कड़ी नजर है। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह के निर्देशानुसार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में ट्रैफिक थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने सोशल मीडिया पर स्टंट करते हुए वीडियो पोस्ट करने वाले युवाओं की पहचान कर उन्हें ट्रैफिक थाना में बुलाया। पुलिस ने इन युवकों के चालान काटे और उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर इस तरह के स्टंट न केवल कानून का उल्लंघन हैं,बल्कि आमजन की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं। ट्रैफिक पुलिस द्वारा युवाओं को समझाया गया कि स्टंटबाजी के दौरान दुर्घटना होने की संभावना अधिक रहती है,जिससे उनकी जान भी जा सकती है और दूसरों की जान को भी खतरा हो सकता है। पुलिस ने चेतावनी दी कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति इस तरह की गतिविधियों में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यातायात प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने के लिए अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालें। उन्होंने कहा कि सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित ड्राइविंग को अपनाएं।

ओपीडी में आने वाले 33 फीसदी मरीज बुखार से पीड़ित

बदले मौसम के कारण लोग होने लगे बीमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। ओपीड़ी में मरीजों का उपचार करते हुए चेस्ट स्पेशलिस्ट डॉ. हिमानी सिंह। फोटो : हरिभूमि

मौसम में आ रहे बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। लोग बुखार की चपेट में आ रहे हैं। जिस कारण अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की संख्या में 30 से 40 फीसदी तक का इजाफा दर्ज किया गया है। स्थानीय नागरिक अस्पताल की चेस्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर हिमानी सिंह ने बताया कि वर्तमान में ओपीडी में आने वाले मरीजों में अधिकांश लोग बुखार से ग्रसित है।

मौसम में आ रहे इस बदलाव के कारण लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिस कारण संक्रमण फैल रहा है। यह मौसम दमा रोगियों के लिए घातक है। डॉक्टर हिमानी सिंह ने बताया कि हवा में आ रहा बदलाव और वायरल संक्रमण दमा के दौरों को बढ़ा सकता है। ऐसे मरीजों को सांस लेने में तकलीफ और पुरानी खांसी के दोबारा उभरने की शिकायतें हो जाती हैं। खांसी से संक्रमण तेजी से फैलता है, जिससे परिवार के अन्य सदस्य भी इसकी चपेट में आ सकते हैं।

ऐसे रोगियों को चाहिए वे सदैव अपने मुंह पर मास्क रखना चाहिए ताकि अन्य सदस्यों को इस प्रकार की परेशानी ना हों। उन्होंने कहा कि लोगों को इसके बचाव के लिए मास्क का प्रयोग करना चाहिए। दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। उन्होंने कहा कि घरेलू नुस्खों की बजाय चिकित्सकों की सलाह पर दवा लें। खांसी के अधिक दिनों तक रहने पर टीबी का खतरा भी बन जाता है।

जनरल सर्जन डॉक्टर हर्षा ने बताया कि अधिक तला व भुना भोजन लेने के कारण लोगों में पेट दर्द की समस्या आ रही है। इससे बचने के लिए उन्हें बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, गुटखे व फास्ट फूड से परहेज करना चाहिए। उन्होंने बताया कि अधिक तैलीय भोजन करने से शरीर में तेजाब की समस्या बन जाती है जो पेट दर्द का कारण बनती है।

बहादुरगढ़। पुराने पैनल को बदलने का किया जा रहा काम। फोटो : हरिभूमि

ट्रामा सेंटर में प्रभावित रही बिजली

बहादुरगढ़। नागरिक अस्पताल के ट्रामा सेंटर में शनिवार को पैनल बदलने का काम शुरू हुआ। इस कार्य के चलते ट्रामा सेंटर में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। बिजली न होने का कई सेवाओं पर प्रभाव दिखा। कई मरीज पिछली बिल्डिंग में शिफ्ट किए गए। दरअसल, पहले वाला पैनल काफी पुराना हो गया था। इसलिए उसकी जगह नया पैनल स्थापित किया जा रहा है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 29 मार्च 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

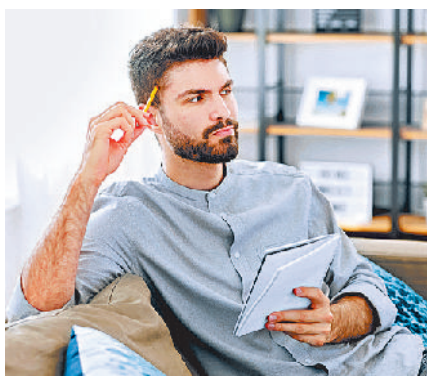

{ कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन }

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रृंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

{ लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा }

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

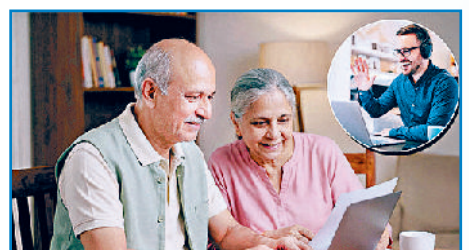

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकताः सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसासः असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

{ व्यंग्य / राजा चौरसिया }

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। NBC@

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मेरे लिखने की मेज

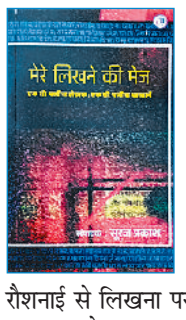

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज प्रकाश, मूल्यः 449 रुपए, प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रोचक
अंजू जैन

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

फर्स्ट अप्रैल यानी अप्रैल फूल डे पर लोग एक-दूसरे के साथ प्रैंक कर खूब एंज्वॉय करते हैं। अतीत में इस मौके पर कुछ मशहूर कंपनियों, टेलीविजन और रेडियो स्टेशंस ने ऐसे प्रैंक्स किए, जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई। यहां ऐसे ही कुछ चर्चित अप्रैल फूल प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं।

दुनिया भर में मशहूर हुईं ये मजेदार शरारतें

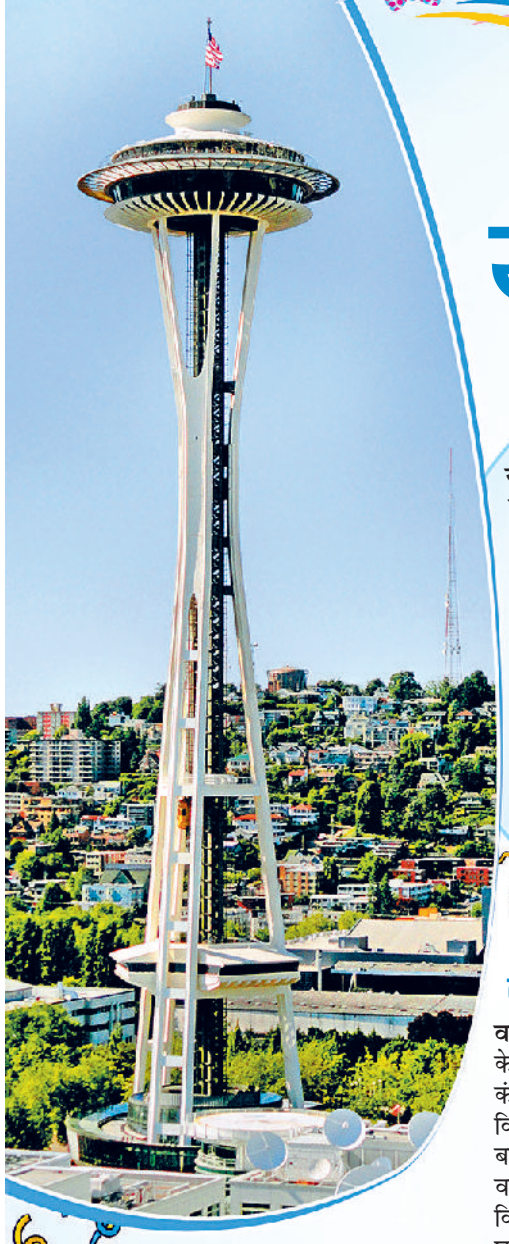

स्पेस नीडल गिरने की खबर

यह प्रैंक 1 अप्रैल 1989 को शाम के समय टीवी पर प्रसारित किया गया था। सिएटल के एक स्थानीय स्केच कॉमेडी शो, 'ऑलमोस्ट लाइव!' ने किंग टीवी पर एक विशेष रिपोर्ट प्रसारित की थी। रिपोर्ट में गंभीरता से दावा किया गया कि शाम 6:53 पर वाशिंगटन के सिएटल में स्थित स्पेस नीडल गिर गई है। शो ने टॉवर के गिरने की फर्जी तस्वीरें और चश्मदीदों के झूठे इंटरव्यू भी दिखाए। यह प्रैंक इतना विश्वसनीय लगा कि पूरे सिएटल में दहशत फैल गई। लोगों ने घबराहट में इमरजेंसी सेवाओं पर इतने फोन किए कि लाइनें ठप हो गईं। यहां तक कि टॉवर के आस-पास रहने वाले लोग भागने लगे। स्थिति बिगड़ने के बाद, चैनल को तुरंत स्पष्ट करना पड़ा कि यह सिर्फ एक मजाक था। बाद में, शो के निर्माताओं और चैनल को इस प्रैंक के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। *

टूथपेस्ट से बर्गर की स्मेल

साल 2017 में फास्ट-फूड चेन बर्गर किंग ने दावा किया कि उन्होंने एक ऐसा टूथपेस्ट बनाया है, जिसमें एक्टिव हॉपर अर्क है, इसके कारण आपके मुंह से हमेशा बर्गर की खुशबू आएगी। लोग ब्रश करने के बाद भी अपने पसंदीदा बर्गर के स्वाद का आनंद ले सकेंगे। विज्ञापन में बताया गया कि इसमें 'व्हाइटनिंग अनियन' (सफेद करने वाले प्याज), 'डेली फ्रेश टोमैटो' (ताजा टमाटर) और एंटी-कैविटी स्टेक (कैविटी रोकने वाला मांस) जैसी चीजें शामिल हैं। इस प्रैंक को असली दिखाने के लिए बर्गर किंग फ्रांस और विज्ञापन एजेंसी बजमैन ने एक 60 सेकेंड का कमर्शियल वीडियो भी जारी किया था। यह प्रैंक मार्च के अंत में (29-31 मार्च) शुरू किया गया था ताकि 1 अप्रैल तक लोगों को भ्रमित किया जा सके। यह केवल एक मजेदार विज्ञापन अभियान था और बर्गर किंग ने कभी-भी ऐसा कोई टूथपेस्ट बाजार में नहीं बेचा। *

लेफ्ट-हैंडेड बर्गर

वर्ष 1998 में एक अप्रैल के आस-पास बर्गर किंग कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन दिया कि उन्होंने बाएं हाथ से काम करने वाले लोगों के लिए एक विशेष बर्गर बनाया है, जिसमें सभी मसाले 180 डिग्री घुमाकर रखे गए हैं। यह सुनकर हजारों लोग इसे ऑर्डर करने लगे। बाद में पता चला कि यह प्रैंक था। *

हूटर्स वेट्रेस और योडा

वर्ष 2001 में घटित हुई एक घटना, जो एक मजाक के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन बाद में यह कानूनी लड़ाई में बदल गई थी। इसे 'टॉय योडा' केस के रूप में जाना जाता है। हुआ यह कि अप्रैल 2001 में, पनामा सिटी बीच, फ्लोरिडा के हूटर्स रेस्तरां के मैनेजर ने अपनी वेट्रेसेस के बीच बीयर बेचने की एक प्रतियोगिता रखी। मैनेजर ने वादा किया कि जो सबसे ज्यादा बीयर बेचेगी, उसे इनाम में एक नई टोयोटा (कार) दी जाएगी। जोडी बेरी नाम की वेट्रेस ने सबसे ज्यादा बिक्री की और प्रतियोगिता जीत ली। जब इनाम देने का वक्त आया, तो मैनेजर ने जोडी की आंखों पर पट्टी बांधी और उसे पार्किंग लॉट में ले गया। लेकिन वहां कोई कार नहीं थी। इसके बजाय उसे 'स्टार वार्स' फिल्म के पात्र योडा का एक खिलौना थमा दिया गया। जोडी को यह मजाक बिल्कुल पसंद नहीं आया। उसने नौकरी छोड़ दी। यही नहीं रेस्तरां पर धोखाधड़ी और अनुबंध तोड़ने का मुकदमा भी दायर कर दिया। *

स्क्रीन में सुगंध

साल 2013 में गूगल ने अपने एक नए फीचर 'गूगल नोज' के जरिए दावा किया था कि अब लोग सर्च इंजन के माध्यम से चीजों को सूंघ भी सकेंगे। दावा किया गया कि उनके पास 15 मिलियन से अधिक सुगंधों का डेटाबेस है। गूगल यूजर्स को इसका अनुभव लेने के लिए कहा गया कि वे सर्च बार में जाकर कुछ सर्च करें और फिर अपने डिवाइस की स्क्रीन के करीब जाकर सूंघें। इसमें 'नई कार की महक', 'गीले कुत्ते की महक' और यहां तक कि 'मिस्र के मकबरे' जैसी अजीबो-गरीब चीजों को सूंघने का विकल्प दिया गया था। लेकिन इसे टेस्ट करने के लिए जब लोग स्क्रीन सूंघने की कोशिश करते और कुछ महसूस नहीं होता, तो अंत में एक संदेश आता कि यह अप्रैल फूल प्रैंक था। *

पर्यटन स्थल
समीर चौधरी

स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। लेकिन अगर आप यहां स्वच्छ, मनोरम वादियों के बीच आध्यात्मिक शांति का अनुभव लेना चाहते हैं तो 'की गोंपा' यानी 'की मठ' जरूर जाना चाहिए। इसकी विशेषताओं पर एक नजर।

स्वर्ग जैसी अनुभूति देता है स्पीति घाटी का 'की मठ'

हिमाचल प्रदेश के स्पीति में काजा से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 'की मठ' की सैर के दौरान आपको एहसास होगा कि जैसे स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया है। हालांकि अपने देश और हिमाचल प्रदेश के अन्य पर्वतीय पर्यटन स्थलों की तुलना में यहां पर्यटकों की आवक कम होती है।

सबसे पुराना-बड़ा मठः लगभग 13,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित 'की मठ' स्पीति घाटी में सबसे पुराना और सबसे बड़ा मठ है। पहाड़ के ऊपर स्थित यह मठ कई मंजिला है, जिसकी तुलना अकसर लेह के निकट स्थित आइकॉनिक थिकसे मठ से की जाती है। अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के अतिरिक्त 'की गोंपा' अपनी सुंदर संरचना और शांत वातावरण के लिए भी विख्यात है।

निर्माण और नवीनीकरणः की गोंपा का निर्माण 11वीं सदी के आस-पास माना जाता है। इस मठ का गहरा संबंध बौद्ध संत लोचेन रिनचेन जंगपो के पूजनीय अवतारों से है, जो 958 से 1055 ईस्वी के बीच हुए थे। इसकी गहरी जड़ें प्राचीन कदंपा विरासत से भी जुड़ी हैं और इसे लोचेन तुलकुस विरासत की पीठ माना जाता है। इस विरासत के माध्यम से 'की मठ' 11वीं शताब्दी के विख्यात बौद्ध विद्वान और संत अतिशा दिपांकर से भी जुड़ जाता है।

इस मठ का पुनर्निर्माण 15वीं शताब्दी के शुरू में शेरपा जंगपो ने करवाया, जो गेलुग्पा समुदाय के संस्थापक जे त्सोंगखापा के शिष्य थे। पांचवें दलाई लामा के युग में यानी 17वीं शताब्दी में इस मठ पर मंगोलों ने हमला किया, जिसके बाद यह औपचारिक रूप से गेलुग्पा स्कूल (प्रमुख तिब्बती बौद्ध संप्रदाय) का हिस्सा बन गया। फिर 1820 के लद्दाख-कुल्लू टकराव के दौरान भी इसे नुकसान पहुंचा। 1841 में डोगरा सेना और सिख सेना ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया। 1840 के दशक में इसमें भयंकर आग भी लगी थी। 1975 में आए भूकंप की वजह से भी इस मठ को काफी नुकसान पहुंचा था। तब आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और स्टेट पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी मरम्मत कराई थी।

बहुत कुछ है दर्शनीयः 'की मठ' की बाहरी सुंदरता तो मनोरम और स्वार्गिक अनुभूति देने वाली है ही, मठ के भीतर भी बहुत कुछ ऐसा है, जो दर्शनीय है।

साल 2000 में 14वें दलाई लामा ने इस मठ में एक नए विशाल असेंबली हॉल का उद्घाटन किया था। इस हॉल की दीवारों पर कुछ बहुत ही सुंदर प्राचीन पेंटिंग्स लटकी हुई हैं, जो बुद्ध के पिछले जन्मों की कहानियों को व्यक्त करती हैं। मुख्य असेंबली हॉल के सामने पूजा करने का कमरा है, जिसमें एक विशाल पूजा चक्र है। इसके अलावा पद्मसंभव और अमितायुस की प्रतिमाएं भी हैं। 'की मठ' अपनी वॉल हैंगिंग्स और ऐतिहासिक कलाकृतियों के लिए विख्यात है। मठ के टॉप फ्लोर पर जो अपार्टमेंट है, वह दलाई लामा के लिए आरक्षित है। निचले माले पर मठ की रक्षा करने वाले देवताओं को समर्पित एक मंदिर है, जबकि उसके नीचे जो एक अन्य असेंबली हॉल है, उसे छोटे आयोजनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यहां दुर्लभ धर्मग्रंथ, पुरानी वॉल पेंटिंग्स और भविष्य के बुद्ध मैत्रेय की मूर्ति भी है।

यात्रा का उपयुक्त समयः 'की मठ' की यात्रा के लिए आदर्श समय मई से अक्टूबर के बीच का है, जब यहां हल्की-सुहानी ठंड पड़ रही होती है। सड़कें खुली होती हैं और स्पीति वादी की सुंदरता अपने शबाब पर होती है। इस दौरान यहां का तापमान आमतौर से 10 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में होता है।

ठंड के मौसम में तो यहां तापमान माइनस 20 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है। भारी बर्फबारी के कारण सड़कें बंद हो जाती हैं। हालांकि मठ तो खुला रहता है, लेकिन उस तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

जो पर्यटक सांस्कृतिक अनुभव लेने की इच्छा रखते हैं, उन्हें अपनी यात्रा की योजना जुलाई में बनानी चाहिए, जब यहां चाम उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस उत्सव में बौद्ध भिक्षु परंपरागत मुखौटा नृत्य करते हैं। यह नृत्य बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में किया जाता है। *

मौसम में गर्माहट घुलने के साथ ही युवाओं का फैशन और ड्रेसिंग स्टाइल बदलने लगा है। बदलते हुए फैशन ट्रेंड को देखकर लगता है कि इन गर्मियों में जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज रहेगा। यंगस्टर्स को यह फैशन ट्रेंड क्यों इतना भा रहा है?

इन गर्मियों में रहेगा जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज

ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा

मार्च की शुरुआत के साथ ही हल्की गर्माहट जैसे वातावरण में फैली तो कॉलेज परिसरों, कैफे और शहर की सड़कों पर एक नया फैशन ट्रेंड दिखाई पड़ने लगा। यह है जेंडर न्यूट्रल फैशन। वास्तव में यह केवल ड्रेस का बदलाव नहीं, बल्कि सोच और पहचान का बदलाव भी है। अब फैशन यह नहीं पूछता कि आप मेल हैं या फीमेल। अब फैशन यह जानना चाहता है कि आप कौन हैं? भारत के युवा विशेषकर जेन-जी और नए प्रोफेशनल्स अब ऐसी ड्रेसेस चुन रहे हैं, जो आरामदायक हों, अभिव्यक्ति के अनुकूल हों और किसी जेंडर विशेष की सीमाओं में न बंधते हों।

बदल रही है फैशन की परिभाषा

लंबे समय तक फैशन की दुनिया स्त्री और पुरुषों के दो अलग-अलग खांचों में बंटी रही है। लेकिन हाल के सालों में फैशन के बीच जेंडर की यह दूरी धीरे-धीरे धुंधली होने लगी है। आज के युवा मानते हैं, ड्रेस शरीर के लिए होती है, किसी जेंडर विशेष के लिए नहीं। दिल्ली, मुंबई, पुणे और बैंग्लुरु के कॉलेजों में यह अब आम दृश्य है कि एक ही तरह के ओवर साइज शर्ट लड़कियां भी पहनती हैं और लड़के भी। वैसे ही ढीले ट्राउजर भी दोनों पहनते खूब दिखते हैं। जेंडर न्यूट्रल फैशन अब सिर्फ बड़े शहरों और सेलिब्रिटी क्लास की ही सोच नहीं दर्शाता बल्कि यह अवधारणा छोटे शहरों से लेकर मझोले शहरों और कस्बों तक में फैल रही है।

गर्मियों के लिए है उपयुक्त

जेंडर न्यूट्रल फैशन, किसी और मौसम में चाहे दोनों के लिए उपयुक्त न हो, लेकिन गर्मी के मौसम में यह ब्वॉयज और गर्ल्स दोनों के लिए आरामदायक फैशन माना जाता है। लूज ड्रेसेस, शरीर को जहां पसीने की परेशानी से दूर रखती हैं, वहीं लिनेन और कॉटन जैसे नेचुरल फैब्रिक, त्वचा के अनुकूल होते हैं। यही कारण है कि इन गर्मियों में लिनेन की शर्ट, कॉटन कुर्ते और ढीले ट्राउजर खूब लोकप्रिय होने जा रहे हैं।

ये कलर्स रहेंगे पॉपुलर

जेंडर न्यूट्रल फैशन की पहचान केवल डिजाइन या फैब्रिक से नहीं, रंगों से भी होती है। आने वाले दिनों में ब्राइट कलर्स की जगह, बेज, व्हाइट, ग्रे, ऑलिव ग्रीन और लाइट ब्लू जैसे प्लीजेंट कलर्स का बोलबाला रहने वाला है। क्योंकि ये कलर्स हमारी आंखों के साथ-साथ त्वचा और पूरे शरीर को गर्मी से राहत देते हैं। इन कलर्स की ड्रेसेस मेल-फीमेल सभी पर सूट करते हैं।

सोशल मीडिया का रोल

जेंडर न्यूट्रल फैशन की ओर झुकाव की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया भी है। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और पिंटरेस्ट जैसे सोशल साइट्स पर हजारों युवा इन दिनों फैशन कंटेंट खूब बना रहे हैं, जो जेंडर की सीमाओं को तोड़ते हैं। अब फैशन डिजाइनर ही फैशन ट्रेंड तय नहीं करते बल्कि कॉलेज के युवा, यंग प्रोफेशनल्स और कंटेंट क्रिएटर्स भी फैशन के नए ट्रेंड सेट कर रहे हैं। एक सिंपल ओवर साइज शर्ट और लूज ट्राउजर में बनी इंस्टाग्राम की वायरल रील भी लाखों युवाओं को यह फैशन अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

कंफर्ट-स्टाइल से कहीं बढ़कर

जेंडर न्यूट्रल फैशन, केवल कंफर्ट या स्टाइल का मामला नहीं है। इसे आत्मविश्वास और स्वतंत्र सोच से भी जोड़कर देखा जाता है। यह फैशन स्टाइल युवाओं को यह संदेश देता है कि वे अपनी पहचान स्वयं तय कर सकते हैं। आज के युवा फैशन को पारंपरागत ड्रेस पहनने के नियम का पालन करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सोच, पसंद और स्वतंत्रता को व्यक्त करने के लिए अपना रहे हैं। यही कारण है कि जेंडर न्यूट्रल फैशन, तेजी से युवाओं की पसंद बनता जा रहा है।

बदल रही फैशन इंडस्ट्री

यंगस्टर्स की पसंद को देखते हुए, देश के प्रमुख फैशन ब्रांड्स में भी अब जेंडर न्यूट्रल यूनिसेक्स कलेक्शन की बड़ी रेंज दिखती है। कई नए स्टार्टअप्स जेंडर-न्यूट्रल ड्रेसेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि फैशन उद्योग भी अब जेंडर न्यूट्रल जैसे बदलाव को स्वीकार कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में फैशन में मैन और वुमेन की बजाय ऑल या यूनिसेक्स जैसे सेक्शन हुआ करेंगे।

कह सकते हैं कि इस साल की गर्मियां अभी से यह स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि फैशन अब जेंडर की सीमाओं से मुक्त हो रहा है। जेंडर न्यूट्रल फैशन न्यू एज फैशन का पसंदीदा ट्रेंड बनकर उभर रहा है। *

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

दर्शकों को खूब आती हैं पसंद हॉरर-कॉमेडी कॉम्बो फिल्में

हालांकि शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बनती रही हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों से हॉरर फिल्मों में कॉमेडी का कॉम्बो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। यही वजह है कि ऐसी फिल्में लगातार बन रही हैं और दर्शकों को पसंद भी आ रही हैं। ऐसी ही कुछ हॉरर-कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

बीते कई वर्षों से हिंदी फिल्मों में हॉरर, थ्रिलर के साथ कॉमेडी वाला तड़का दर्शकों को खूब अट्रैक्ट कर रहा है। रहस्य-रोमांच और साफ-सुथरी कॉमेडी पसंद करने वाले दर्शक इसे सपरिवार देख सकते हैं, क्योंकि इस तरह की फिल्मों में हॉरर और कॉमेडी का कॉम्बो देखने को मिल जाता है। यह इसका प्लस प्वाइंट है।

हॉरर-थ्रिलर-कॉमेडी का कॉकटेलः कुछ वर्षों से हॉरर कॉमेडी जॉनर की फिल्मों का दौर चल पड़ा है। ऐसी मूवी में ह्यूमर और हॉरर का कॉकटेल नजर आता है। अजय देवगन की 'गोलमाल अगेन' (2017) में हॉरर और कॉमेडी के साथ-साथ इमोशनल टच भी देखने को मिला। इसी थीम पर बेस्ड 'गो गोवा गॉन' (2013) फिल्म ने भी दर्शकों को बांधे रखा। यह गोवा में फिल्माई गई हॉरर, थ्रिलर और जॉम्बिज एक्शन वाली कॉमेडी मूवी है। वर्ष 2025 में रिलीज हुई 'थाम्मा' में आयुष्मान खुराना ने बेताल (पिशाच) की भूमिका निभाई। इसी फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मनुष्यों का खून चूसने वाले खतरनाक विलेन का रोल निभाया। वर्ष 2024 में रिलीज्ड 'मुंज्या' भी एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। कोई बड़ा स्टार नहीं होने के बावजूद इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इससे काफी पहले अमिताभ बच्चन की 'भूतनाथ' (2008) और 'भूतनाथ रिटर्न्स' (2014) भी सुपरनेचुरल कॉमेडी ड्रामा फिल्में थीं। इन दोनों ही फिल्मों की कहानी में नयापन था, ताजगी थी। साथ ही कलाकारों के जानदार अभिनय और कमाल के पिक्चराइजेशन ने दर्शकों को बांधे रखा। इसीलिए ये फिल्में सफल रहीं।

'स्त्री' ने कर दिखाया कमालः साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की सफलता ने इस ट्रेंड को सेट करने में बड़ा रोल निभाया। राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकारों के अभिनय से सजी इस फिल्म में हर घर के सामने लिखी लाइन 'ओ स्त्री, कल आना!' दर्शकों के दिलोदिमाग में घर कर गई। इस फिल्म के कई दृश्य दर्शकों के मन में आज भी तरोताजा हैं। 'स्त्री' की सफलता के बाद से इस तरह की फिल्मों का ट्रेंड-सा चल पड़ा। 2024 में आई 'स्त्री-2' भी दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी, इस फिल्म को भी बड़ी सफलता मिली।

इस साल आएगी 'भूत बंगला'ः इस साल हॉरर-कॉमेडी जॉनर में अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्देशक है प्रियदर्शन। ये वही प्रियदर्शन हैं, जिन्होंने साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'भूल-भुलैया' बनाकर कैरेक्टर मोंजूलिका (विद्या बालन) को फेमस किया था। वैसे आपको बता दें कि कई दशक पहले साल 1965 में महमूद ने ब्लैक एंड व्हाइट 'भूत बंगला' बनाई थी, जिसमें हॉरर, थ्रिलर और कॉमेडी का मनोरंजक मेल था। उस दौर में ये अपनी तरह की नई पहल थी। उसे इस जॉनर की पहली फिल्म भी माना जाता है।

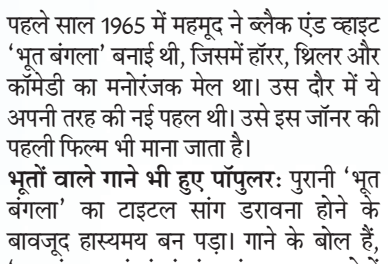

भूतों वाले गाने भी हुए पॉपुलरः पुरानी 'भूत बंगला' का टाइटल सांग डरावना होने के बावजूद हास्यमय बन पड़ा। गाने के बोल हैं, 'भूत बंगला, हां हां हां हां कहां आ गए हम दोनों।' इस गाने में महमूद और आर. डी. बर्मन के साथ भूतों को नाचते दिखाया गया है। महमूद, आर. डी. बर्मन और सुदेश की डरावनी आवाजें डराती कम, हंसाती-गुदगुदाती ज्यादा हैं। आने वाली 'भूत बंगला' में भी ऐसे ही एक गाने के बोल हैं, 'रामजी आकर सबका भला करेंगे।' इसमें अक्षय कुमार अजीबो-गरीब वेशभूषा में अजीब, अटपटी हरकतें करते हुए, भूतों के साथ नाचते-गाते दिखते हैं। दर्शकों के मन में सस्पेंस जगाने, डराने के लिए स्पेशल इफेक्ट का सहारा भी लिया गया है। यह कोई नया चलन नहीं है। ऐसे गीतों का सिलसिला काफी पहले से शुरू हो चुका है। फिल्म 'चाचा-भतीजा' (1977) में हेमा मालिनी और सोनिया साहनी पर फिल्माया गया गीत, 'भूत राजा बाहर आ जा। सीधी तरह से मान जा नहीं तो बजा दूंगी तेरा बैंड बाजा।' इसमें उनके साथ धर्मेंद्र और रणधीर कपूर भी हैं। आगे चलकर ऐसा ही गाना 'चालबाज' (1989) में श्रीदेवी और रजनीकांत पर पिक्चराइज किया गया। गाने के बोल थे, 'ओ भूत राजा फंस गई मुश्किल में, भूतों की महफिल में।' कविता कृष्णमूर्ती, सुदेश भोसले की आवाज में यह गाना मनोरंजक है। 'हाउसफुल-4' का 'द भूत सॉन्ग।' अलग-थलग अंदाज वाले गाने का रिमिक्स वर्जन है। मिका सिंह, फरहाद द्वारा गाए इस रैपनुमा गाने में बड़े, खर्चीले सेट और कई स्टार दिखाए गए हैं। इस दिलचस्प गाने को देखते-सुनते समय डर तो नहीं लगता, हां मजा जरूर आता है। इसीलिए यह गाना काफी हिट भी रहा।

हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का फंडाः हॉरर फिल्मों में दिल दहला देने वाले दृश्य देखकर दर्शक कई बार अचंभित-भयभीत होते हैं। डर के मारे रोमांचित भी होते हैं। उसी समय उनका ध्यान कंवर्ट करने के लिए कॉमेडी सींस दिखाए जाते हैं। इससे वे भयमुक्त होकर हंसने लगते हैं। यही वजह है कि हॉरर, थ्रिलर, कॉमेडी का कॉम्बिनेशन दर्शकों को लुभा रहा है। इसी कारण धड़ल्ले से इनकी फ्रेंचाइजी फिल्में भी बन रही हैं। जैसे- 'भूल-भुलैया', 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या' आदि। *